विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

वर्ग - द्वितीय दिनांक :- 16/07/2021

विषय - सह - शैक्षणिक गतिविधि

एनसीईआरटी पर आधारित

अंगूर खट्टे है

एक भूखी लोमड़ी खाने की तलाश में इधर-उधर भटक रही थी। भटकते-भटकते उसे वह एक ऐसी जगह जा पहुंची जहाँ उसके सामने बहुत सारा अंगूर पेड़ की उचाईयों में लगा था। अंगूर को देखकर उसके मुँह में पानी आ गया। लोमड़ी सोचने लगी, “वह कितने स्वादिस्ट अंगूर है इन्हे खाकर मज़ा आ जाएगा। मैं पूरा अंगूर खा जाउंगी।”

यह सोचने के बाद वह छलांग लगाती है ताकि वह कूदकर अंगूर को खा सके। लेकिन अंगूर ऊपर था। लोमड़ी ने फिर छलांग लगाया लेकिन फिर भी वह उस अंगूर तुक नहीं पहुंच सकी। ऐसे में वह और ज़ोर से छलांग लगाने लगी। लोमड़ी ने सारा ज़ोर लगा दिया लेकिन फिर भी वह अंगूर तक नहीं पहुंच सकी। बार-बार कोशिश करने के बावजूब भी वह अंगूर तक नहीं पहुंच सकी। अंत में हार मानकर वह वहां से जाने लगी। जाते-जाते उसने कहा, “अंगूर खट्टे है।”

सीख :- इस कहानी के माध्यम से हमें यह बताया जा रहा है की जब हम किसी चीज़ को पसंद करते है तो उसे पाने के लिए तरह-तरह के कोशिश करते है। लेकिन जब हम उसे प्राप्त नहीं कर पाते तो उसकी बुराई करने लगते है। पहले लोमड़ी अंगूर को स्वादिस्ट कहती है। लेकिन जब वह उसे हासिल नहीं कर पाती तो वह अंगूर खट्टे है कहकर वह से चले जाती है।

****

ज्योति